खुशी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: विज्ञान और अभ्यास

खुशी एक गंतव्य नहीं, यात्रा है: तनुश्री

आईआईएम

रांची, प्रमुख संवाददाता। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), रांची में 'खुशी: विज्ञान और अभ्यास' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन शनिवार को हुआ। प्रो तनुश्री दत्ता ने समापन सत्र की शुरुआत सम्मेलन के अवलोकन के साथ की, जिसमें केंद्रीय विषय पर जोर दिया गया कि खुशी एक गंतव्य नहीं, बल्कि एक यात्रा है।

आईआईएम रांची के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने सामाजिक प्रभाव के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता पर बात की, जिसके कारण हैप्पीनेस कॉन्फ्रेंस की अवधारणा और कार्यान्वयन हुआ। शासी निकाय के सदस्य डॉ शैलेश अयंगर ने कार्यक्षेत्र में खुशी पर चर्चा के महत्व पर जोर दिया और प्रतिभागियों से कमजोर लोगों के जीवन में एक ठोस बदलाव लाने का आग्रह किया। डॉ होसित जोशीपुरा ने खुशी के विभिन्न पहलुओं का पता लगाने का अवसर प्रदान करने में इसकी भूमिका पर जोर दिया। समापन सत्र में हैप्पीनेस बूट कैंप के विजेताओं, एसआर डीएवी पब्लिक स्कूल, रांची के छात्रों का अभिनंदन भी किया गया, जिन्होंने खुशी के व्यापक विषय पर अभिनव दृष्टिकोण साझा किया।

आईआईएम, रांची में 'खुशी: विज्ञान और अभ्यास' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन शनिवार को हुआ। इसमें सम्मानित विद्यार्थी।

Hindustan_07.01.2024_Pg. 06

खुश रहकर हासिल की गयी शिक्षा ही सार्थक : प्रो दीपक

रांची. आइआइएम रांची में चल रहे दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का समापन शनिवार को हुआ. विषय था : हैप्पीनेस : साइंस एंड प्रैक्टिसेस. इसमें शहर के स्कूली विद्यार्थी भी शामिल हुए. निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षा को खुशी से अपनाने पर ही उसकी सार्थकता बनी रहेगी. इससे मस्तिष्क बेहतर तरीके से ज्ञान को अर्जित कर सकेगा. इसका असर भविष्य में महसूस किया जा सकता है. उन्होंने बताया कि हैप्पीनेस कांफ्रेंस का उद्देश्य शिक्षण संस्थानों और विद्यार्थियों को प्रेरित करना है, ताकि शैक्षणिक संस्थान में अवसाद या तनाव की स्थिति न हो. तनाव रहित शिक्षा ग्रहण करने पर ही विद्यार्थी बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन कर सकते हैं. मौके पर बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य डॉ शैलेश अयंगर ने कार्यक्षेत्र और शिक्षण संस्थान में समय-समय पर इस तरह के आयोजन करने की बात कही. वहीं, डॉ हासित जोशीपुरा ने हैप्पीनेस कार्यक्रम के प्रभाव के बारे में बताया. मौके पर प्रो एलेन जे जॉर्ज, प्रो तनुश्री दत्ता, प्रो अंगशुमन हजारिका मौजूद थे.

Prabhat Khabar_07.01.2024_Pg. 07

'खुशी एक गंतव्य नहीं बल्कि एक यात्रा है'

आइआइएम में आयोजित कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागी ● जागरण

जागरण संवादादाता, रांची : आइआइएम रांची में विज्ञान और अभ्यास (आइसीएचएसपी) विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। जो कि विज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान को आगे बढ़ाने और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता में एक मील का पत्थर साबित हुआ। मौके पर प्रो. तनुश्री दत्ता ने समापन सत्र की शुरुआत सम्मेलन के एक व्यावहारिक अवलोकन के साथ की। जिसमें जोर दिया गया कि खुशी एक गंतव्य नहीं बल्कि एक यात्रा है, एक दर्शन जो दो दिनों की चर्चाओं और व्यस्तताओं के दौरान गूंजता है। निदेशक प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव ने शैक्षणिक संस्थानों के भीतर जागरूकता की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने सामाजिक प्रभाव के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता की जानकारी दी। डा. शैलेश अयंगर, सदस्य, बीओजी, आइआइएम रांची ने कार्यक्षेत्र में खुशी पर चर्चा के महत्व पर जोर दिया।

Dainik Jagran_07.01.2024_Pg. 04

IIM रांची : हैप्पीनेस पर इंटरनेशनल कांफ्रेंस शुरू

रांची| आईआईएम रांची में रेखी फाउंडेशन, यूएसए के सहयोग से खुशी : विज्ञान और अभ्यास (आईसीएचएसपी) विषय पर पहला इंटरनेशनल कांफ्रेंस शुरू हुआ। इसमें वक्ता के रूप में डेलॉयट इंडिया की चीफ हैप्पीनेस ऑफिसर सरस्वती कस्तूरीरंगन, रेखी फाउंडेशन यूएसए के संस्थापक डॉ. सतिंदर सिंह रेखी, संस्थान के डायरेक्टर दीपक कुमार श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

Dainik Bhaskar_06.01.2024_Pg. 02

आईआईएम में वैश्विक चुनौतियों से निपटने को अनुसंधान पर जोर

रांची, प्रमुख संवाददाता। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची में खुशीः विज्ञान और अभ्यास, विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत शुक्रवार को हुई। इसमें वैश्विक चुनौतियों से निपटने और बेहतर भविष्य को आकार देने में अनुसंधान की भूमिका पर जोर दिया गया। आईआईएम रांची के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने जिम्मेदार व्यावसायिक प्रथाओं को सूचित करने और स्थायी भविष्य के लिए नवीन समाधान चलाने में अनुसंधान के महत्व पर जोर दिया।

रेखी फाउंडेशन के संस्थापक डॉ सतिंदर सिंह रेखी ने ठोस सामाजिक प्रभाव वाले अनुसंधान की वकालत करते हुए कहा कि शैक्षणिक गतिविधियों का उद्देश्य जीवन को बेहतर बनाना और पीड़ा को कम करना होना चाहिए। डेलॉयट इंडिया की चीफ हैप्पीनेस ऑफिसर सरस्वती कस्तूरीरंगन ने 21वीं सदी की जटिलताओं से निपटने में अनुसंधान की भूमिका पर एक वैश्विक नजरिया पेश करते हुए सकारात्मक बदलाव के लिए अत्याधुनिक अनुसंधान का लाभ उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया। मौके पर सम्मेलन पत्रिका का भी विमोचन किया गया।

आईआईएम रांची के सम्मेलन में शुक्रवार को निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव व अतिथि।

Hindustan_06.01.2024_Pg. 06

आइआइएम रांची. सेंटर फॉर हैप्पीनेस ने किया अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

नेतृत्वकर्ताओं के सकारात्मक निर्णय से आयेंगे बदलाव

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

आइआइएम रांची में संचालित सेंटर फॉर हैप्पीनेस की ओर से शुक्रवार को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत हुई. विषय था : माइंड लैब एंड इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन हैप्पीनेस : साइंस एंड प्रैक्टिस. इसका उद्देश्य शैक्षणिक गतिविधियों के जरिये सामाजिक बदलाव करना है. साथ ही शिक्षा का लाभ लोगों को अवसाद से दूर कर उन्हें सामाजिक सुरक्षा और स्थिरता देना है. मुख्य अतिथि सरस्वती कस्तुरीरंगन ने कहा कि 21वीं सदी

की सामाजिक जटिलताओं से निपटने में अनुसंधान की भूमिका अहम है. नेतृत्वकर्ताओं को अपने सकारात्मक निर्णय से बदलाव की पहल करनी होगी. इसके लिए अत्याधुनिक अनुसंधान का लाभ उठाने की जरूरत है. वहीं, रेखी फाउंडेशन के संस्थापक डॉ सतिंदर सिंह रेखी ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य होना चाहिए : जीवन को बेहतर और मानवीय पीड़ा को कम करना. इसमें प्रबंधक की भूमिका खास है. नये नजरिये के साथ लोगों के बीच रोजगार सृजन को बढ़ावा देना होगा, जिसके लिए शिक्षक और विद्यार्थी के बीच समन्वय जरूरी है. इससे नये विचार का जन्म होगा, जिससे सामाजिक बदलाव संभव है. आइआइएम रांची के निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव ने कहा कि सामाजिक समस्याओं से निपटने के लिए ज्ञान को आधार बनाना होगा. उन्होंने विद्यार्थियों को समाज में स्थापित व्यावसायिक प्रथाओं को चिह्नित कर उनमें नया नजरिया देने की सलाह दी. कांफ्रेंस के दौरान आइसीएचएसपी सम्मेलन की पत्रिका का विमोचन हुआ. माइंड लैब का उद्घाटन हुआ.

Prabhat Khabar_06.01.2024_Pg. 10

IIM में हैप्पीनेस पर कांफ्रेंस आज से

रांची|आईआईएम रांची की ओर से रेखी फाउंडेशन, यूएसए के सहयोग से खुशी: विज्ञान और अभ्यास (आईसीएचएसपी) विषय पर पहला इंटरनेशनल कांफ्रेंस का आयोजन हो रहा है, जो आईआईएम रांची के कैंपस में 5 और 6 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। मुख्य वक्ता व मुख्य अतिथि के रूप में डेलॉयट इंडिया की चीफ हैप्पीनेस अफसर सरस्वती कस्तूरीरंगन, रेखी फाउंडेशन यूएसए के संस्थापक डॉ. सतिंदर सिंह रेखी होंगे। संस्थान के डायरेक्टर प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि कांफ्रेंस में विभिन्न देशों के वक्ता शामिल हो रहे हैं। एक सौ से अधिक शोध पत्र प्राप्त हो चुके हैं।

Dainik Bhaskar_05.01.2024_Pg. 03

अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आज से आईआईएम में

रांची। आईआईएम रांची की ओर से यूएसए के रेखी फाउंडेशन के सहयोग से खुशी : विज्ञान और अभ्यास (आईसीएचएसपी) विषय पर पहला इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम आईआईएम कैंपस में पांच व छह जनवरी को आयोजित होगा। आईआईएम रांची के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मुख्य वक्ता डेलॉयट इंडिया की चीफ हैप्पीनेस ऑफिसर सरस्वती कस्तूरीरंगन, रेखी फाउंडेशन यूएसए के संस्थापक डॉ सतिंदर सिंह रेखी उपस्थित होंगे।

Hindustan_05.01.2024_Pg. 04